



श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा नवापारा
जिला - रायपुर (छ.ग.)
मान्यता प्राप्त व रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

**College Assembly Report
(2016-2021)**



A college assembly is a gathering of all for purposes, such as special programs or communicating information basis. Students gather to perform a common song or prayer and to receive common announcements. Assembly may include prayer, news headline, Thought of the day, discussions among students, student talk, rewarding or praising a student(s) and other important discussions etc.

It is not for students alone. Principals, the teaching faculty and even non-teaching staff should be present in the assembly.

During a morning assembly, all the students of college stand at the same place, as a part of an institution regardless of their age, religion, sex, culture etc. **A feeling of unity is aroused by** this act. This feeling of unity stays forever in the student's mind and it leads to a happy society.

It helps in building a culture of communication and representation of academic and co-curricular activities.

Significance of morning assemblies for a Student's development

It is essential to understand that morning assembly is not just about standing in long queues and singing prayers or national anthem, but it's something beyond just prayers. All the activities carried out in morning assembly by the school staff and students have a great influence in every point of life. The positive effects of attending school assemblies can be felt throughout life.

Some of the benefits of morning assemblies for students:

- Develop a feeling of being united
- Understanding the College in a better way
- Learn valuable lessons
- Confidence building
- Rewarding achievers to encourage them to perform better

Thus, College assembly is a crucial part of college teachings. At Shri Kuleshwar Mahadev Govt. College Gobra Nawapara we have a well-planned morning assembly. It is accompanied with morning prayer, national anthem, speech, news, the thought of the day, acknowledgment of achievers and address by the college authorities. Every day, we inspire our students with life teachings that facilitate mental and spiritual development. We believe in value education which is an integral part of our curriculum. This makes us one of the Unique position in this area.




Principal
PRINCIPAL
Shri Kuleshwar Mahadev
Govt. College, Gobra Nawapara
Dist. Raipur (C.G.)



College Assembly (Student's in uniform)



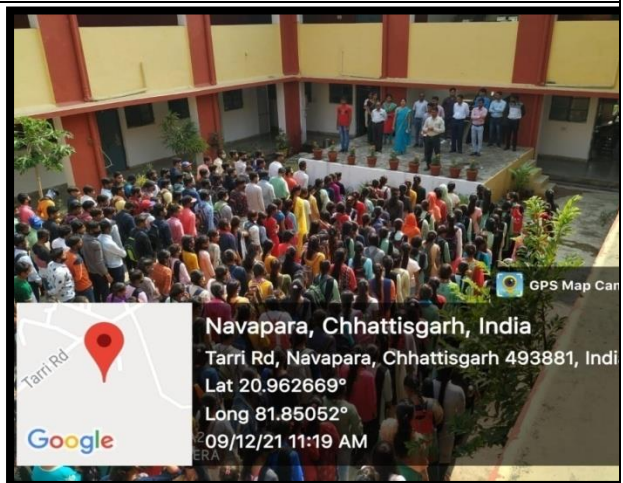
Navapara, Chhattisgarh, India
 Tarri Rd, Navapara, Chhattisgarh 493881, I
 Lat 20.962674°
 Long 81.850547°
 10/12/21 11:04 AM




Navapara, Chhattisgarh, India
 Tarri Rd, Navapara, Chhattisgarh 493881, India
 Lat 20.962477°
 Long 81.850647°
 10/12/21 11:03 AM




Navapara, Chhattisgarh, India
 Tarri Rd, Navapara, Chhattisgarh 493881, India
 Lat 20.962742°
 Long 81.850547°
 09/12/21 11:14 AM

Navapara, Chhattisgarh, India
 Tarri Rd, Navapara, Chhattisgarh 493881, Indi
 Lat 20.962669°
 Long 81.85052°
 09/12/21 11:19 AM





During Assembly

Uniform in College

Wearing a uniform promotes school attendance, **reduces absenteeism**, pay attention to their studies and instills a lot of discipline, focus and good behavior. Most importantly, it induces presentation skills, which help them talk with confidence and gives a sense of motivation and purpose..

Reasons Why Uniforms Are Important:

1. You won't get distracted with fashion in the classroom. ...
2. Instill a sense of equality among students. ...
3. It makes getting dressed each morning easier. ...
4. Enhance academic performance. ...
5. Foster a sense of belonging to your institution. ...





Thought of the day



Written by Student

Date -

अभिमान को खाने मत दो।
 अविमान को खाने मत दो ॥
 अभिमान आपको उठने नहीं देगा।
 अविमान आपको गिरने नहीं देगा ॥
 नीचे जिसकी उच्छी लेगी।
 उनकी उसकी उच्छी लेगी ॥
 मैं प्रेष्ठ हूँ ये आत्मनिश्वास है।
 केवल मैं ही प्रेष्ठ हूँ ये अहंकार है।

C.R. Laxmi Vaishnav B.Sc I Year

सत्र - 2016-17

Date - 8-09-2016

जिस तरह तलवार को अपनी धार बनाए रखने के लिए फर्पर की आवश्यकता होती है उसी प्रकार मनुष्य को अपनी तेज बनाए रखने के लिए कितना ही आवश्यकता होती है।

Devi B.Sc. I Year

Date 18-09-2016

शिखर भी लियाना है और समय भी लेनी में फेर उताना है कि शिखर लिये कर सुवर्ण लेता है और समय तैयार लेकर शिखाता है।

Vinod B.Sc. I Year

26/09/16

NAME: Anuradha SAHU

सब लोग कहते हैं, कुछ पैसे के लिए कुछ खीरा पड़ना है, मगर सब हीरा यह है, कि कुछ पैसे नहीं कुछ उरगा पड़ना है।

Sahu
26/09/16

Name - Pooja Sahu

1) कौशिक ने स्वामी विवेकानंद से मुक्ति के सब कुछ को जाने से बुझा क्या होगा? तो स्वामी विवेकानंद ने कहा - उस उम्मीद का रेशा जाना जिसके प्रयोग सब कुछ वापस पा सकते हैं।

2) गणेश होसलों को ये मत बताओ कि मायका पेशाबिया क्या है। अपने पेशाबिया को ये बताओ कि मायका होसला क्या है।

26/09/16 दामोदर साहू कक्षा - 10 III
 सत्य भेदास कक्षा गला है।

27/09/16

जैसे जेलून मुँह के मिलते हैं कठिनाई से हटते हैं और खले नहीं पड़ते हैं।

Sahu B.Sc - III Year

28/09/16

काम अपनी हिम्मत को डरती है, परंतु अपनी काजिरी से डरती हिम्मत साथ दे या ना दे पर काजिरीत जाकर साथ देगी।

Sahu B.Sc - III Year

नाम - कौशल किशोर गुप्ता - 28109116

उद्यम सहस्य सौर्य बुद्धि शक्ति पराक्रम, धैर्य यत्न चरिते, तत्र देवा सहायकः ॥11॥

अर्थ - जिस व्यक्ति के पास उद्यम, साहस, सौर्य बुद्धि शक्ति पराक्रम, धैर्य हूँ गुण जिस व्यक्ति के पास होता है, उनकी सहायता वहाँ स्वयं भगवान भी करते हैं।

Kaushal - B.Sc II Year
28/09/16

नाम - कौशल किशोर गुप्ता - 29109116

पुस्तक स्या तुया विद्या, परस्त गतं धनम् ॥ कार्यकाले समुत्पत्ते, त सा विद्या न तद धनम् ॥12॥

अर्थ - जिस पुस्तक में रखी हुई विद्या, तथा दूसरी के हाथ में रखा हुआ धन सम्यग् ज्ञान पर कार्य काम नहीं आता है।

Kaushal B.Sc II Year
29/09/16

बाद आपने सफलता हमसे तो अपेक्षाएं तो मिले तो
निराशा नहीं हो क्योंकि तबत काल में ज्यादा समय
महल काल में लगता है।

B.Sc I राशि

दीर्घा लीना आसप तैल लीना विना संसुर्भुने कोर
पहल नहीं हैमा लव तल ल पर एधेद के कोर परर
भी प्रमाण ली हैमा

B.Sc II उकुभा

पुंभी के कर्मा किरा को लेका मत वाध्या
लगीके लद पकी हाइर जो दिन के 2 लका
सरो सम वाध्या के

B.Sc I खिमिमा माइ

25-07-2014

संगर कोरि आपणे नीचा फिरवानी चाहता है तो इसका
तकल है कि वो आपसे नीचा है और आप इसके
छपर है।

B.Sc I राशि

अवेमा मे के लोम असमल लोके है
पहल जो अरके लो है। परर करे लही
अरर लो जो करे लो है परर अपत लही

B.COM I आविमा

इसी मलुष्य की वर्तमान स्थिति को देखकर
असहा अपवास न उदार म्योदि समस की
सुनी तकल लेनी है कि वह उध आधारल के
गोपन जो की हारे के बदल देता है।

मिरीरा माइ
B.Sc (I)

हमने जो दूसरों की सम्मान कला है भकर उसकी
ही सम्मान लेती है।

प्रणाम प्रेम है। प्रणाम शक्ति है।
प्रणाम प्रेम शिरता है। प्रणाम हमारी
शक्ति है। प्रणाम सुकता शिरता

हैं और जो सुकते हैं उसमें जान है। अकड तो
जो की पहचान लेते हैं।

इकरी साह
B.Sc (I) राशि

अपर केर आपले जलता है तो आप उले दृणा मत श्रीर
कोछि एल ली भो। जो है लो पर धमसने है कि आप उले
वेधर है

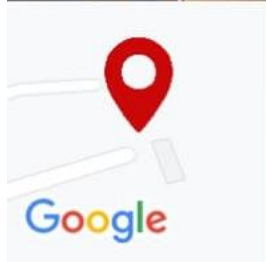
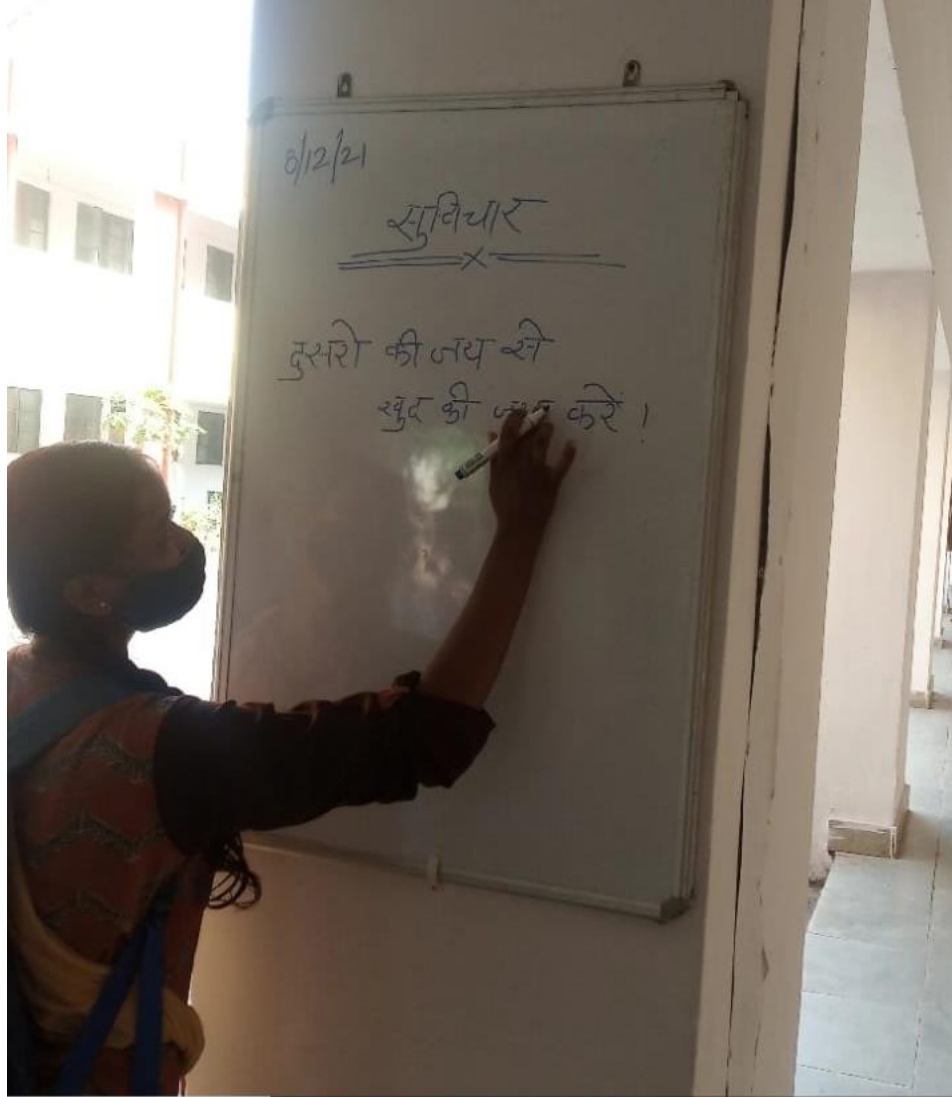
शुभर B.Sc

वो अपनी शक्ति में है अधिकतम में नहीं।
अभीही दिव की शक्ति अधिकतम में नहीं।
वीतकन पुने लो खेए लो अरुकाई मानव
लो भी की गोट में है पर हमलम में नहीं।।

विदेवकी माइ
B.Sc (I) राशि

स्वभाव रखना है तो बीपक की लहा जो बाह्याली के
महल में उतनी ही शक्ति देता है जतनी शरीर
की अपीपीये में।

B.Sc I
मोइमा देवम
@vishvaman



Tarri Rd, Navapara,
Chhattisgarh 493881, India



clear sky

08 December 2021 02:22 PM

29.0 °C